मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–141

स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम (संस्कृत)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.ई–141 : आयुर्वेद के मूल आधार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 15 = 75$

   (क) आचार्य चरक के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

   (ख) आचार्य सुश्रुत के आयुर्वेद में योगदान का उल्लेख कीजिए।

(ग) आचार्य वाग्भट्ट पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) आयुर्वेद के अनुसार ग्रीष्मकालीन आहार और विहार पर लेख लिखिए।

(ङ) आयुर्वेद की पद्धतियों का वर्णन कीजिए।

(च) भृगुवल्ली का सार लिखिए।

खण्ड—ख

2. (I) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : $3\times5=15$

(क) आयुर्वेद के अनुसार हितकर आहार

(ख) चिकित्सक के गुण

(ग) दैव व्यापाश्रय चिकित्सा

(घ) षड् रस

(ङ) आयुर्वेद का प्रयोजन

(II) निम्नलिखित में से किसी **एक** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

विज्ञानं ब्रह्मेति व्यजानात्। विज्ञानद्धयेव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। विज्ञानेन जातानि जीवन्ति। विज्ञानं

प्रखन्त्यभिसंविशन्तीति। तद्विज्ञाय पुनरेव वरुणं पितरमुपससार। अधीहि भगवो ब्रह्मेति। तं होवाच। तपसा ब्रह्म विजिज्ञासस्व। तपो ब्रह्मेति। स तपोऽतप्यत। स तपस्तप्त्वा।

अथवा

अन्नं न निन्द्यात् तद् व्रतम्। प्राणो वा अन्नं शरीरमन्नादम्। प्राणे शरीरं प्रतिष्ठितम्। स य एतदन्नमन्ने प्रतिष्ठितं वेद प्रतितिष्ठति। अन्नवानन्नादो भवति। महान् भवति प्रजया पशुभिः ब्रह्मवर्चसेन। महान कीर्त्या।

× × × × ×